

FORM III
फर्द अहकाम
(नियम-26)

आज अदालत मुकाम
बनाम
विस्म मुकदमा नं

तारीख मुकाम	हुकम या कार्यवाही मय इनीशियल जज
10/5/22	पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उपा. वरत हेतु एक अवसर (आठ) अतिरिक्त अवसर (दिल जाता है) पत्रावली दिनांक 29/4/22 को पेश हो। 23/6/22 पत्रावली पेश हुई। मुकाम कार्यवाही PO साहब चुनाव कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 27/6/22 को पेश हो। 27/6/22 पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उपस्थित। PO साहब चुनाव कार्य में व्यस्त हैं। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 29/6/22 को पेश हो। 29/7/22 वकूलाय उपा. वरत हेतु 30 अतिरिक्त अतिरिक्त अवसर दिनांक 14/11/22 को पेश हो। 14/11/22 पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उपस्थित। PO साहब चुनाव कार्य में व्यस्त हैं। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 20/11/22 को पेश हो। 20/11/22 पत्रावली पेश हुई। अभिभावक संघ आज अदालती कार्य का स्थगन कर रखा है। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 20/11/22 को पेश हो। 23/12/23 पत्रावली पेश हुई। अभिभावक संघ आज अदालती कार्य का स्थगन कर रखा है। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 21/12/23 को पेश हो।

FORM No. III (प्रास्तुप संख्या-3)
फर्द अहकाम
(नियम 26)

आज अदालत मुकाम
बनाम
विस्म मुकदमा नं

तारीख मुकाम	हुकम या कार्यवाही मय इनीशियल जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तारीख में जारी हुए
21/6/22	पत्रावली पेश हुई। मनाजरीक कर्मचारी अनुचित अहकाम पर होने के कारण पत्रावली में जमाना पेश दिनांक 23/6/22 दिनांक को जारी हो। वकूलाय उपा. वरत हेतु 30 अतिरिक्त अवसर (आठ) अतिरिक्त अवसर (दिल जाता है) पत्रावली दिनांक 6/9/23 को पेश हो। 6/9/23 पत्रावली पेश हुई। अभिभावक संघ आज अदालती कार्य का स्थगन कर रखा है। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 27/8/22 को पेश हो। 27/8/22 पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उपा. PO साहब चुनाव कार्य में व्यस्त होने से पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 21/8/22 को पेश हो। 9/11/22 पत्रावली पेश हुई। अभिभावक संघ ने आज अदालती कार्य का स्थगन कर रखा है। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 16/11/22 को पेश हो। 16/11/22 पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उपा. PO साहब चुनाव कार्य में व्यस्त होने से पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 21/11/22 को पेश हो।	


नंबर व तारीख
जो इस
तारीख में

तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

30/5/24

पत्रावली पेय हुमी। प्राचीनता व वकील प्राचीन
अनुपानित। कल-कल अवाज लगवाची जमी।
अवाज लगवाने के उपरांत भी प्राचीनता की कोट
से कोई उपानित नहीं आया। अतः प्राचीनता
का प्राधान्य पत्र अन्वय विवेचना अन्वय एवम्
अन्वय पत्रों में खादीज किया जाता है पत्रावली
पत्राल शुभर होय नास्कर है कल होय कल
दमखिल है।


(राजवीर सिंह यादव)
उपखण्ड अधिकारी
नीमकाथाना (राज.)